is that certainly the attention of the Minister should be drawn to this. It is also particularly expected that if hon. Member, Shri Pachouri has written a letter, I think, it is only fair that he should get a reply rather immediately or at least as early as possible. I think a number of questions have arisen and please ensure that the feelings are conveyed to the Minister so that action is taken immediately.

Miserable Condition of Weavers in Bihar

श्री जलालुदीन अंसारी (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आम तौर पर पूरे देश में हथकरघा उद्योग में काम करने वाले बुनकरों की हालत अच्छी नहीं है लेकिन मैं खासकर के बिहार में हथकरघा बुनकरों की जो स्थिति काफी खराब है, उसकी ओर सदन का और सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, बिहार में बड़े पैमाने पर जो करघा चलाने वाले लोग थे, उनके करघे बंद हैं, जिसके कारण वे बेरोजगारी की स्थिति में हैं और बेरोजगार होने के कारण वे भुखमरी की हालत में हैं। इसका एक और पहला कारण है कि उनको जो सूत मुहैया किया जाता था उसमें ऐसी हेरा-फेरी चलती है कि कागज पर ही सूत की खरीद हो जाती है, कपड़ा बना दिया जाता है और कपड़े की बिक्री हो जाती है। इससे आप स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं कि उन गरीब बुनकरों की स्थिति क्या है। उनको सूत मिलता ही नहीं है। इसलिए आज बिहार में हथकरघा उद्योग मरने की हालत में है। आज उसको जीवित रखने का सवाल है।

महोदय, संयुक्त मोर्चे की सरकार ने ऐलान किया है कि यह सरकार समाज के कमजोर तबके के लोगों की स्थिति में सुधार के लिए और उनकी खुशहाली के लिए काम करेगी। महोदय, ये समाज के कमजोर तबके के ही लोग हैं जो बुनकरों के रूप में हथकरघा उद्योग में काम कर रहे हैं। इनमें सिर्फ एक ही वर्ग के लोग नहीं हैं, सभी वर्गों के लोग हैं।

महोदय, इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय सरकार को जो कदम उठाने चाहिए वे नहीं उठाए जा रहे हैं। इसको आप इसी से समझ सकते हैं कि जब सूत ही उनको मुहैया नहीं कराया जाता है तो वे कहां से कपड़ा बनाएंगे? वे कपड़ा बुनकर आज अपने बाल-बच्चों का पालन-पोषण करने की स्थिति में नहीं हैं। हम आशा करते हैं कि संयुक्त मोर्चे की सरकार इस ओर ध्यान देगी और इनका जीवन-स्तर ऊपर उठाने के लिए काम करेगी।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि हथकरघा उद्योग में काम करने वाले बुनकरों की दयनीय स्थिति को देखने के लिए केन्द्रीय सरकार एक टीम वहां भेजे। उन बुनकरों की सही स्थिति क्या है, वे किस स्थिति में हैं, इसकी जांच वह टीम करे और वह राज्य सरकार से भी बात करे और एक रिपोर्ट बनाए, जिसके आधार पर हथकरघा उद्योग खड़ा करने और उसका विकास करने तथा इस उद्योग में काम करने वाले बुनकरों के जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम सरकार उठाए।

महोदय, मेरी दूसरी मांग यह है कि केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार से बात करे और बुनकरों को सूत मुहैया कराए और इस बात की गारंटी करे कि हथकरघा उद्योग के जो बुनकर हैं, उनको नियमित रूप से सूत मुहैया कराया जाएगा।

महोदय, सरकार ने यह ऐलान भी किया था कि बुनकरों के कर्जे की माफी होगी लेकिन यह दुःख की बात है कि उनके कर्जे की माफी अभी तक नहीं हुई है। इसलिए मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि उनका कर्जा माफ किया जाएगा एक और चीज मैं आपके सामने रखना चाहता हूं कि आम तौर पर आज लोग पुराने डिजाइन के कपड़े पहनना पसंद नहीं करते हैं। इसलिए हथकरघा उद्योग में जो काम करने वाले बुनकर हैं, उनके लिए डिजाइनिंग और रंगाई सिखाने वाले प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएं ताकि वे अच्छे किस्म के कपड़े बना सकें और बाजार में उनको बेच सकें। जब उनकी मांग बढ़ेगी, तभी यह उद्योग विकसित हो सकता है और आगे बढ़ सकता है।

महोदय, अंतिम बात मैं यह कहना चाहता हूं कि ये बुनकर लोग बहुत गरीब हैं और इनके पास रहने के लिए घर तक नहीं हैं। तो मेरी मांग है कि गांवों और कस्बों में बुनकरों के लिए शेड बनाए जाएं जिससे वे लोग इस उद्योग को वहां चला सकें और काम कर सकें। मैं आशा करता हूं कि केन्द्रीय सरकार बिहार में बुनकरों की दयनीय स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठायगी। धन्यवाद।

मौलाना हबीबुर्रहमान नोमानी (नाम निर्देशित) : अंसारी साहब ने जो मसला उठाया है उससे सम्बद्ध करते हुए मैं इस बात को कहना चाहता हूं कि वैसे तो पूरे मुल्क में बुनकरों की हालत दयनीय है लेकिन खास तौर से बिहार में हालत ज्यादा खराब है। बड़े-बड़े इलाके जो बुनकरों के इलाके थे आज वहां बुनाई के नाम पर कोई काम हो ही

नहीं रहा है और वह लोग भुखमरी का शिकार हैं। बिहार के अंदर ज्यादा नहीं है, तकरीबन ढाई-तीन करोड़ रुपया है। इसकी तरफ तवोज्जह दी जाए तथा इससे उनको छुटकारा दिलाया जाए। एक और मसला मैं इसके सिलसिले में कहना चाहता हूं (व्यवधान) बिहार में भी पावरलूम बुनकर हैं, उत्तर प्रदेश में भी है। उनको जो बिजली दी जाती है तथा जो बिजली के मीटर हैं उसमें बहुत बड़ी हेराफेरी और बेईमानी होती है। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं उनके पास अनाप-सनाप बिजली का बिल आता है। अगर पांच सौ रुपये का बिल है तो पांच हजार का भेज दिया। हजार रुपया रिश्वत लेकर के फिर उसको पांच सौ रुपए का कर दिया। इन सब चीजों को बंद करने के लिए जरूरत है कि जिस तरह से सिंचाई के लिए ट्यूबवैल पर किसान के बिजली के मीटर लगते थे और वह हटा दिए गए तो इसी तरह से बुनकरों के भी मीटर हटा दिए जाएं। इससे भ्रष्टाचार भी खत्म होगा और बिजली महकमे की आमदनी भी बढ़ेगी। इसलिए मैं चाहता हूं इसकी तरफ हमारे संसदीय कार्य मंत्री खास ध्यान दें और इस मसले को हल करने की कोशिश करें और मीटर जो एक लानत बन गया है, इसको खत्म करें, ताकि यह भ्रष्टाचार भी कम हो और आय भी बढ़े।

†[मौलाना हबीब उर्रहमान नोमानी: अंसारी साहब ने जो मसला उठाया है उस से वाबस्ता करते हुए मैं इस बात को कहना चाहता हूं कि वैसे तो पूरे मुल्क में बुनकरों की हालत काबिले रहम है लेकिन खास तौर से बिहार में हालत ज्यादा खराब है। बड़े बड़े इलाके जो बुनकरों के इलाके थे आज वहां बुनाई के नाम पर कोई काम हो ही नहीं रहा है और वह लोग बेरोजगारी का शिकार हो रहे हैं। बिहार के अंदर ज्यादा नहीं है तकरीबन ढाई तीन करोड़ रुपया है। इसकी तरफ तवज्जह दी जाए

और इस से उनको छुटकारा दिलाया जाए। एक और मसला मैं इसके सिलसिले में कहना चाहता हूं ... "मुदाखलत" ... बिहार में भी पावर लूम बुनकर हैं उत्तर प्रदेश में भी है। उनको जो बिजली दी जाती है और जो बिजली के मीटर हैं उसमें बहुत बड़ी हेराफेरी और बेईमानी होती है। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं उनके पास अनाप शनाप बिजली का बिल आता है अगर पांच सौ रुपये का बिल है तो पांच हजार का भेज दिया हजार रुपया रिश्वत लेकर के फिर उसको पांच सौ रुपए का कर दिया। इन सब चीजों को बंद करने की जरूरत है कि जिस तरह से सिंचाई के लिए ट्यूबवैल पर किसान के बिजली के मीटर लगते थे और वहां से हटा दिए गए तो इसी तरह से बुनकरों के भी मीटर हटा दिए जाएं इससे भ्रष्टाचार भी खत्म होगा और बिजली महकमे की आमदनी भी बढ़ेगी इसलिए मैं चाहता हूं इसकी तरफ हमारे "संसदीय कार्य मंत्री" खास ध्यान दें और इस मसले को हल करने की कोशिश करें और मीटर जो एक लानत बन गया है इसको खत्म करें ताकि भ्रष्टाचार भी कम हो और आमदनी भी बढ़े।]

†[ ]Transliteration in Arabic Script